

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून दिनांक 4 जनवरी 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में कम्प्यूटर हार्डवेयर का मद तथा प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से स्वीकृत धनराशि के स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-983/तीन-1591/2007-08 दिनांक 12 दिसम्बर 2007 एवं 940/तीन-1473/2007-08 दिनांक 03 दिसम्बर 2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड के वित्तीय वर्ष 2007-08 के आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग में माध्यम से प्राविधानित धनराशि मजदूरी मद में रु० 50.00 लाख, प्रशिक्षण मद में रु० 80.00 लाख कुल रु० 130.00 लाख (रु० एक करोड़ तीस लाख मात्र) निम्न विवरणानुसार श्री राज्यपाल महोदय आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

अनुदान संख्या -11

लेखाशीर्षक -2204-खेलकूद तथा युवा संदेयें

001-निदेशन तथा प्रशासन

04- प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण

आयोजनेत्तर (धनराशि लाख में)

क्र०स०	मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3
1.	02-मजदूरी	50.00
2.	44-प्रशिक्षण	80.00
	योग-	130.00

2. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 699/XXVII(i)/07 दिनांक 12.7.2007 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3. उक्त धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व रक्षक अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

4. धनराशि का किसी भी दशा में व्ययवर्तन नहीं किया जायेगा।

5. धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की समय सारिणी बनाकर ही आहरण किया जायेगा।
6. उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जायेगी।
7. धनराशि उसी मद में व्यय की जाय, जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता का सम्बंध में समय-समय पर जारी किये गये शारानादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
8. इस सम्बंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत प्रस्तर -1 में उल्लिखित सुसंगत मानक मदों के नामों डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 381(NP)XXXVII (3)/2007, दिनांक 08 जनवरी 2008 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 05 / VI-I / 2008-2(4) 2007 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किये जाने हेतु।
- 3- निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किये जाने हेतु।
- 4- अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, देहरादून।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव